# प्रेस विज्ञप्ति

**राष्ट्र की समर्पित सेवा के 103 वर्ष पूर्ण करने के अवसर पर इंडियन बैंक 15 अगस्त 2010 को अपना 104वाँ स्थापना दिवस मनाने जा रहा है, जोकि देश के 64वें स्वतंत्रता दिवस के साथ पड़ रहा है।** इंडियन बैंक लिमिटेड, जोकि इंडियन बैंक का पूववर्ती संस्थान है, की स्थापना अर्बुटनाट बैंक आफ ब्रिटन्स की असफलता के पश्चात स्वतंत्रता के जोश से ओतप्रोत सुप्रसिद्ध स्पाधीनता सेनानियों ने बड़े उत्साह के साथ की थी।

आज इंडियन बैंक का कारोबार रु.1.61 लाख करोड़ के आंकड़े को पार कर गया है। जिसमें वर्ष 2009–10 के दौरान निवल लाभ रु.1,555 करोड़ था। राष्ट्रीयकरण के समय बैंक की जमा राशियाँ रु.90 करोड़ थीं, जो अब बढकर रु.93,775 करोड़ हो गई हैं। बैंक में राष्ट्रीयकरण की तारीख 19 जुलाई 1969 को अग्रिम रु.65 करोड़ थे जो अब बढकर रु.67,754 करोड़ हो गए हैं। इस प्रकार राष्ट्रीयकरण के पश्चात चार दशकों की अवधि के दौरान बैंक का कारोबार 1032 गुना बढकर रु.1. 61 लाख करोड़ के स्तर तक पहुँच गया है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान समूचे भारत में इंडियन बैंक प्रति वर्ष 100 से अधिक नई शाखाएँ खोलता चला आ रहा हैं और 1000 से अधिक एटीएम स्थापित कर चुका है। आज सिंगापुर और कोलंबो में एक–एक विदेशी शाखा के अलावा भारत भर में अपनी 1765 शाखाओं के जरिए बैंक 22 मिलियन से अधिक ग्राहकों की अथक सेवा कर रहा है।

इंडियन बैंक की सेवा का मूल मंत्र **''आम आदमी तक बैंकिंग प्रौद्योगिकी को पहुँचाना''** है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीयकृत बैंकों में इंडियन बैंक ऐसा पहला बैंक था, जो 31 मार्च 2008 को शतपतिशत रूप से सीबीएस नेटवर्क से जुड़ गया था। बैंक, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, कार्पोरेट नेट बैंकिंग, कहीं भी बैंकिंग, करों का ई–भुगतान, ग्लोबल डेबिट कार्ड, ग्लोबल क्रेडिट कार्ड, एएसबीए–II आदि प्रौद्योगिकी पर आधारित कई सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

आगे बढते हंए बैंक फ़ोर्बस समूह के अंतर्गत विश्व के श्रेष्ठ 2000 कार्पोरेट संगठनों की सूची में शामिल हो गया और विश्व के 500 ग्लोबल वित्तीय ब्रांडों में वर्ष 2009 में अपनी पैठ बना ली तथा वित्त जगत के अग्रणी समाचार माध्यमों द्वारा किए गए सर्वेक्षणों में देश के 05 श्रेष्ठ बैंकों में अपना स्थान बना लिया है।

बैंक में इंड बैंक मर्चेंट बैंकिंग सर्विसेज़ लिमिटेड, इंड बैंक हाउसिंग लिमिटेड और इंड फंड मैनेजमेंट लिमिटेड नामक तीन सहायक कंपनियां हैं। इंडियन बैंक ने 3 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को भी प्रायोजित किया है। ये हैं – सप्तगिरि ग्रामीण बैंक, पल्लवन ग्राम बैंक और पुदुवै भारतियार ग्राम बैंक। इनकी 243 शाखाएं हैं और ये सभी पूर्ण रूपेण सीबीएस नेटवर्क से जुडी हैं। इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का कारोबार रुपए 4000 करोड़ से अधिक है।

ग्राहकों की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पास ऑन लाइन पहुंच होने के अतिरिक्त इंडियन बैंक ऐसा पहला बैंक है, जिसने ग्राहकों की शिकायतों का निवारण ऑनलाइन करना शुरू किया है।

हाल ही में लाए गए नए उत्पादों जैसे कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए आभूषण ऋण, आवास, वाहन एवं खुदरा क्षेत्र के मिश्रित ऋण (कॉम्बो लोन), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के साथ सीधे बातचीत

करने के लिए ग्राहकों की पहली वेबसाइट तथा 17 उत्पादों और सेवाओं पर जारी की गई सीडी ने बैंक को विकास का सर्वोत्तम अवसर प्रदान किया है।

इंडियन बैंक वित्तीय समावेश योजना को कार्यान्वित करने की दिशा में अग्रणी रहा है और इसके लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कई माध्यम विकसित किए हैं। बैंक सम्पूर्ण पुदुच्चेरी राज्य, तमिलनाडु के कडलूर जिले और केरल में कोल्लम जिले में वित्तीय समावेश योजना को शत प्रतिशत रूप में कार्यान्वित करने में प्रथम स्थान पर रहा। बैंक ने 30 जून 2010 तक 22.74 लाख ''नोफ्रिल खाते'' खोले है। वित्तीय समावेश की पहल को अधिक लोगों तक लाने के लिए 60 कारोबार सुसाध्यकर्ताओं तथा 06 कारोबार सम्पर्की की सेवाएं ली जा रही हैं। बैंक ने 16766 स्वयं सहायता समूहों को ` 326.54 करोड संवितरित किए हैं और कुल `1938.77 करोड़ बकाया है।

तमिलनाडु सरकार ने स्वयं सहायता समूह अभियान सहित जनता की सेवाओं के लिए बैंक की सराहना की है। वित्तीय समावेश के क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन के लिए बैंक को स्कॉच चैलेंजर पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

इंडियन बैंक ने फरवरी 2007 में जनता में 20 प्रतिशत ईक्विटी का विनिवेश किया था और आकर्षक लाभांश का भुगतान करता आ रहा है जोकि वर्ष 2006–07 में 30 प्रतिशत की दर से, 2007–08 में 40 प्रतिशत की दर से, 2008–09 में 50 प्रतिशत की दर से तथा 2009–10 में 65 प्रतिशत की दर से रहा है। इंडियन बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक – श्री टी.एम.भसीन ने 26 जून 2010 को माननीय वित्त मंत्री को `137.53 करोड के लाभांश का चेक दिया था (फोटो संलग्न है)

## भविष्य की योजना

विकास पथ पर अग्रसर होते हुए इंडियन बैंक चालू वर्ष के दौरान 190 शाखाएं खोलेगा और 250 एटीएम स्थापित करेगा। इनमें से अधिकांश देश के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी भागों में होंगे। यह सही अर्थों में अखिल भारतीय उपस्थिति वाले बैंक के रूप में होगा। मालदीव, वियतनाम और हाँग काँग में शाखाएं खोलने के अतिरिक्त बैंक की योजना जाफना (श्रीलंका) में भी एक शाखा खोलने की है। साथ ही इंडोनेशिया में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलने की भी योजना है।

अपनी वित्तीय समावेश प्रक्रिया को और अधिक ऊँचाइयों तक ले जाते हुए वर्ष 2010–13 के लिए बैंक की वित्तीय समावेश योजना में 5563 नए गाँवों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है यह कार्य 4 माध्यमों से किया जाएगा, जिसमें 53 शाखाएँ, 171 बैंकिंग सेवा केन्द्र, 73 कारोबार सम्पर्की और माइक्रोसेट शाखाएँ हैं। इनके सहयोग से 17.64 लाख ''नोफ्रिल खाते'' खोलकर 12.16 लाख घरों को सम्मिलित किया जाएगा। साथ ही चुने गए केन्द्रों में बायोमेट्रिक एटीएम और ग्रामीण क्षेत्रों में कम लागत वाले एटीएम भी खोले जाएंगे।

बैंक शीघ्र ही चेन्नै के रायापेट्टा में बने अपने अत्याधुनिक भवन में चला जाएगा। अपने सामाजिक दायित्व के निर्वहन और पर्यावरण को बनाए रखने में अपने योगदान के रूप में बैंक का यह भवन ''हरा भरा भवन'' होगा। शीघ्र ही यह मध्य चेन्नै में एक पहचान का प्रतीक होगा। अपने नए कार्पोरेट कार्यालय में बैंक एक अनूठी ई–शाखा खोलेगा जहाँ पर ग्राहक स्वयं पूर्णतः स्वचालित परिवेश में लेनदेन कर सकेंगे। ऐसी ई–शाखाएं बाद में अन्य स्थानों पर भी खोली जाएंगी। बैंक का प्रयास होगा कि वह ''अपने सम्मानित ग्राहकों को तत्परता के साथ उत्कृष्ट सेवाएं'' प्रदान करें।

इंडियन बैंक आगामी 12 महीनों में 2000 करोड़ रुपए के निवल लाभ के साथ 2,00,000 करोड रुपए से अधिक का कारोबार करने के लिए कृत संकल्प है।